

रोपवे नरिमाण के लयि MoRTH के साथ समझौता करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड चर्चा में क्यों?

- हाल ही में उत्तराखंड सरकार के पर्यटन वभिग तथा सड़क परविहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के मध्य एमओयू हस्ताकषरति कयि गया । इसके साथ ही रोपवे नरिमाण के लयि सड़क, परविहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के साथ अनुबंध करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है ।

परमुख बदि

- मुख्य सचवि उत्तराखंड डॉ. एस.एस. संधु की मौजूदगी में उत्तराखंड पर्यटन की ओर से युगल कशोर पंत, अपर सचवि पर्यटन एवं अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखंड पर्यटन वकिस परषिद तथा सड़क, परविहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एनएचएलएमएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश गौड़ ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताकषर कयि ।
- इसका मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड में वभिनिन धार्मकि एवं साहसकि पर्यटन गंतव्यों तक अधिकि-से-अधिकि पर्यटकों व श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक पहुँचाना और पर्यटकों का गमनागमन वर्ष भर उपलब्ध कराना है ।
- उत्तराखंड में रोपवे नरिमाण के लयि सड़क, परविहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार को नोडल वभिग बनाया गया है ।
- रोपवे नरिमाण के लयि **भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)** की ओर से डीपीआर तैयार कर काम शुरू कयि जाएगा ।
- **सड़क, परविहन एवं राजमार्ग मंत्रालय** की नयित्तरणाधीन **नेशनल हाईवे लॉजिस्टिकि मैनेजमेंट लमिटेड (एनएचएलएमएल)** के द्वारा प्रथम चरण में प्रदेश के केदारनाथ रोपवे, नैनीताल रोपवे, हेमकुंड साहबि रोपवे, पंचकोटी से नई टहिरी, औली से गौरसू, मुनस्यारी से खलया टॉप तथा ऋषकिश से नीलकंठ महादेव तक सात रोपवे के डीपीआर गठन एवं नरिमाण की कार्यवाही राज्य सरकार के साथ मलिकर की जाएगी ।
- इससे पहले पर्यटन वभिग मसूरी, पूर्णागरि और सुरकंडा देवी रोपवे को पीपीई मोड पर बनाने एवं संचालति कयि जाने हेतु कार्यवाही की गई है । इसमें से सुरकंडा देवी रोपवे का संचालन इस वर्ष के अंत में शुरू कर दयि जाएगा ।